फिन मैककूल और बड़ी मछली

ईव

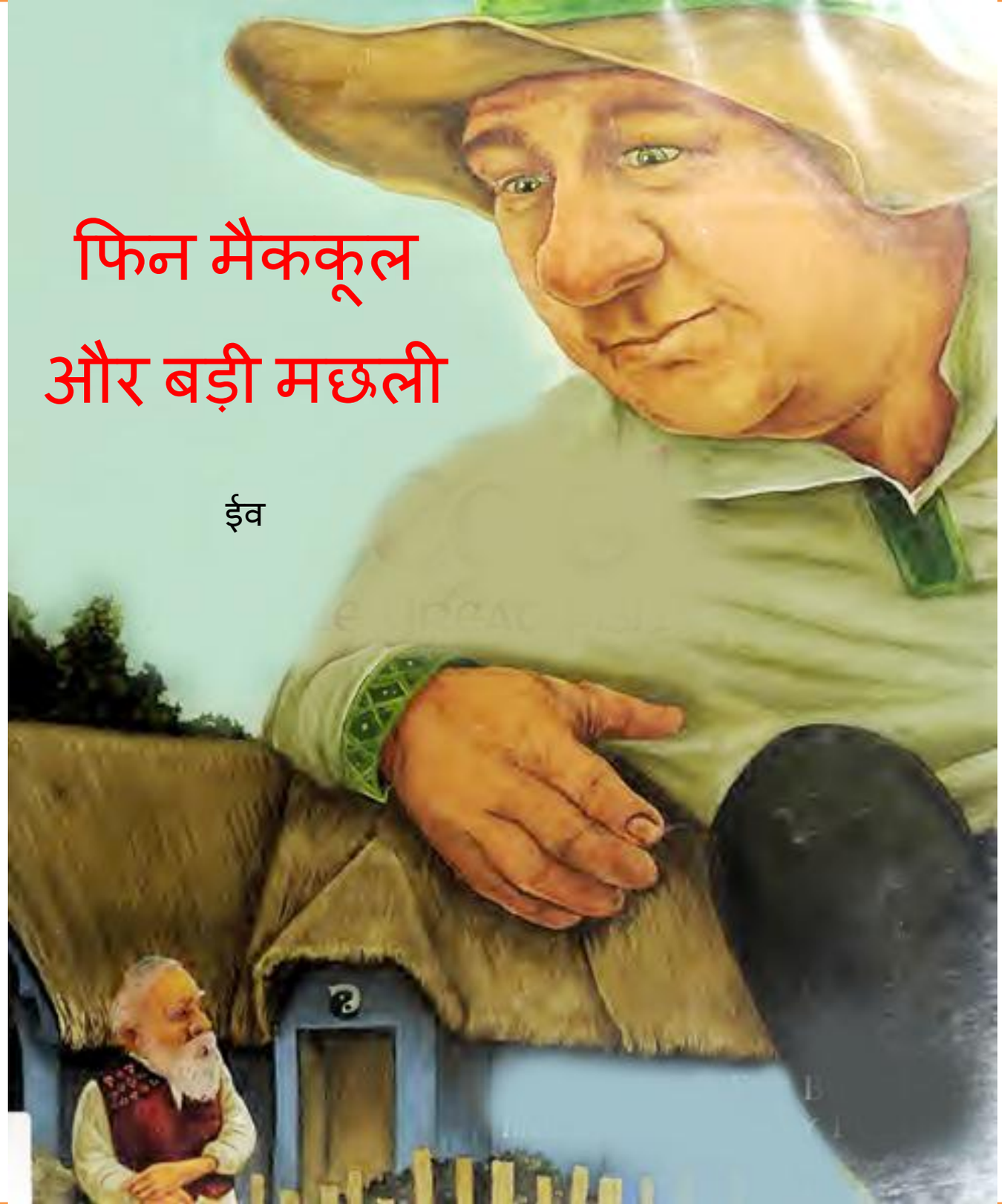

फिन मैककूल एक पौराणिक राक्षस था - वो बहुत ताकतवर और दयालु था. "लेकिन वो स्मार्ट नहीं ... थोड़ा बुद्धू था." फिर एक बुद्धिमान व्यक्ति ने फिन को एक बड़ी मछली के बारे में बताया जिसके पास दुनिया का सारा ज्ञान था. उसने फिन को उस मछली को पकड़ने और खाने के निर्देश दिए. मछली खाने के बाद वो ज्ञान फिन का हो जाएगा. फिन उस मछली को पकड़ लेता है लेकिन दयालु होने के कारण वो उसे मारता नहीं है. लेकिन फिर भी फिन मछली का ज्ञान हासिल करने में सक्षम होता है. फिर फिन शहरवासियों का सम्मान, न केवल अपनी ताकत और दयालु दिल के बल पर, बल्कि अपनी बुद्धि के लिए भी हासिल करता है.

फिन मैककूल और बड़ी मछली

ईव

फिन मैककूल पूरे आयरलैंड में सबसे बड़ा राक्षस था. वो अब तक का सबसे महान योद्धा था. कोई भी उसकी ताकत की बराबरी नहीं कर सकता था.

वो किसी घर को उठाकर उसका मुंह मोड़कर उसे सूरज की ओर कर सकता था, और रात में उसी घर को चंद्रमा की ओर मोड़ सकता था. खराब मौसम में जब गाँव वाले पुआल को बारिश से बचाने के लिए जल्दी कर रहे होते थे, तो फिन उनकी मदद करता था. वो घोड़ा-गाड़ियों और अन्य सभी चीज़ों को उठाकर खलिहान में सुरक्षित रख देता था.

"वो नेक और बड़े दिल वाला दैत्य है," आयरलैंड के लोग उसके बारे में कहते थे. "हम खुशनसीब हैं कि वो हमारे साथ यहां रह रहा है."

पर सब लोग एक बात जानते थे, कि फिन मैककूल बहुत होशियार नहीं था.

"वो थोड़ा बुद्धू है," वे कभी-कभी कानाफूसी करते और फिर प्यार से मुस्कुराते थे: वो ज्यादा नहीं जानता है फिर भी वो एक नेक और अच्छा राक्षस हैं."

एक दिन फिन ने लोगों को यह फुसफुसाते हुए सुना. उसे उनकी बात एकदम सच लगी.

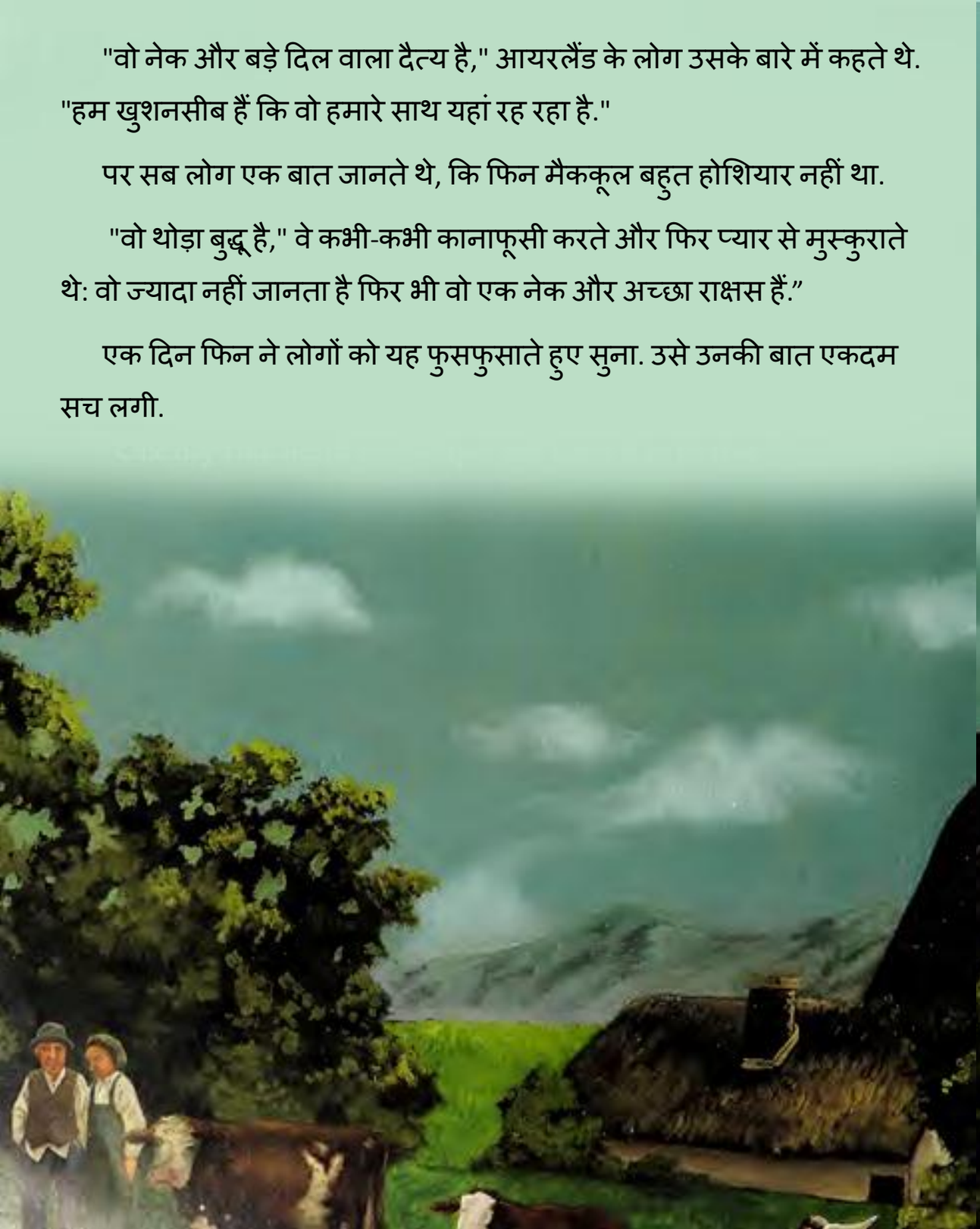

पास के शहर में एक बूढ़ा व्यक्ति रहता था जो बहुत ज्ञानी था. उसने अपने ज्ञान को किसी सही व्यक्ति को देने का वादा किया था. वो आदमी खुद में एक रहस्य था, वो कभी अपने घर में रहता था, और कभी-कभी हफ्तों के लिए गायब हो जाता था. कई लोगों ने उस आदमी के ज्ञान को पाने के लिए उसके साथ दोस्ती गांठने की कोशिश की लेकिन उससे कोई फायदा नहीं हुआ.

साइमन बेकर उसके लिए ताज़ी डबलरोटी लाता था जिसपर मक्खन की एक मोटी परत लगी होती थी. बर्टी उसके लिए सफेद मुर्गी लाई, जो गाँव की सबसे अच्छी मुर्गी थी, जिससे वो आदमी रोज़ाना सुबह के नाश्ते में एक ताज़ा अंडा खा सके. ब्रिडी उसके लिए एक ठेले में खुद लकड़ी काट कर लाई जिससे वो ठंडी रातों को खुद को गर्म रख सके.

बूढ़े आदमी ने उन सब को दयालुता के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन उसने अपना रहस्य अपने पास ही रखा.

ब्रिडी के आने के एक दिन बाद फिन उस बूढ़े के पास आया.

फिन उसके घर में फिट नहीं हो सकता था इसलिए वो बाहर ही बैठा और उसने अपने हाथों को उसकी छत पर रखा.

"सुनो," उसने उस बूढ़े आदमी से कहा. "देखो मैं फिन मैककूल हूँ, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आप मेरे साथ अपने ज्ञान का रहस्य साझा करेंगे."

फिर बूढ़ा आदमी बाहर आया, और फिर फिन अपने घुटनों पर उतरा ताकि वे एक दूसरे को अच्छी तरह देख सकें.

"मुझे पता है कि तुम कौन हो और मैं तुम्हारे आने का इंतजार ही कर रहा था," बूढ़े ने कहा.

"मुझे पता है कि आप अच्छे और दयालु होने के साथ-साथ बहुत शक्तिशाली भी हैं. मुझे पता है कि आप आयरलैंड के एक महान योद्धा और मित्र हैं. मुझे पता है कि आपने दैत्य कुल्कुलन को हराकर आयरलैंड को बचाया था. लेकिन मुझे आपसे एक जरूरी सवाल पूछना है. आपके पास जब इतना कुछ है, फिर आपको ज्ञान की क्यों ज़रुरत है?"

"ज्ञान के बिना आदमी का कोई वज़ूद नहीं होता है," फिन ने कहा. "ज्ञान पाने के बाद मैं अपने दोस्तों की बेहतर तरीके से मदद कर पाऊंगा. अभी मैं उनके सवालों के जवाब में सिर्फ अपना सिर हिलाता हूँ, फिर मैं सही उत्तर दे पाऊंगा. बुद्धिमान बनने के बाद मैं मौका पड़ने पर आयरलैंड के भले के लिए भी अपनी आवाज़ उठा सकूंगा."

फिर बूढ़े ने अपना सिर हिलाया. "तुम एक विशाल दैत्य और एक अच्छे इंसान हो, लेकिन ज्ञान पाने के बाद तुम्हारी गरिमा बढ़ेगी. अच्छा सुनो, बॉयन नदी में एक मछली रहती है - एक सैलमन, जिसका रंग सूर्यास्त के आकाश की तरह लाल है. उसमें दुनिया की सबसे अधिक समझदारी और विवेक है. तुम उसे पकड़ो, उसे पकाओ, और उसे खाओ, और फिर वो ज्ञान तुम्हारा होगा."

"धन्यवाद, सर," फिन ने कहा.

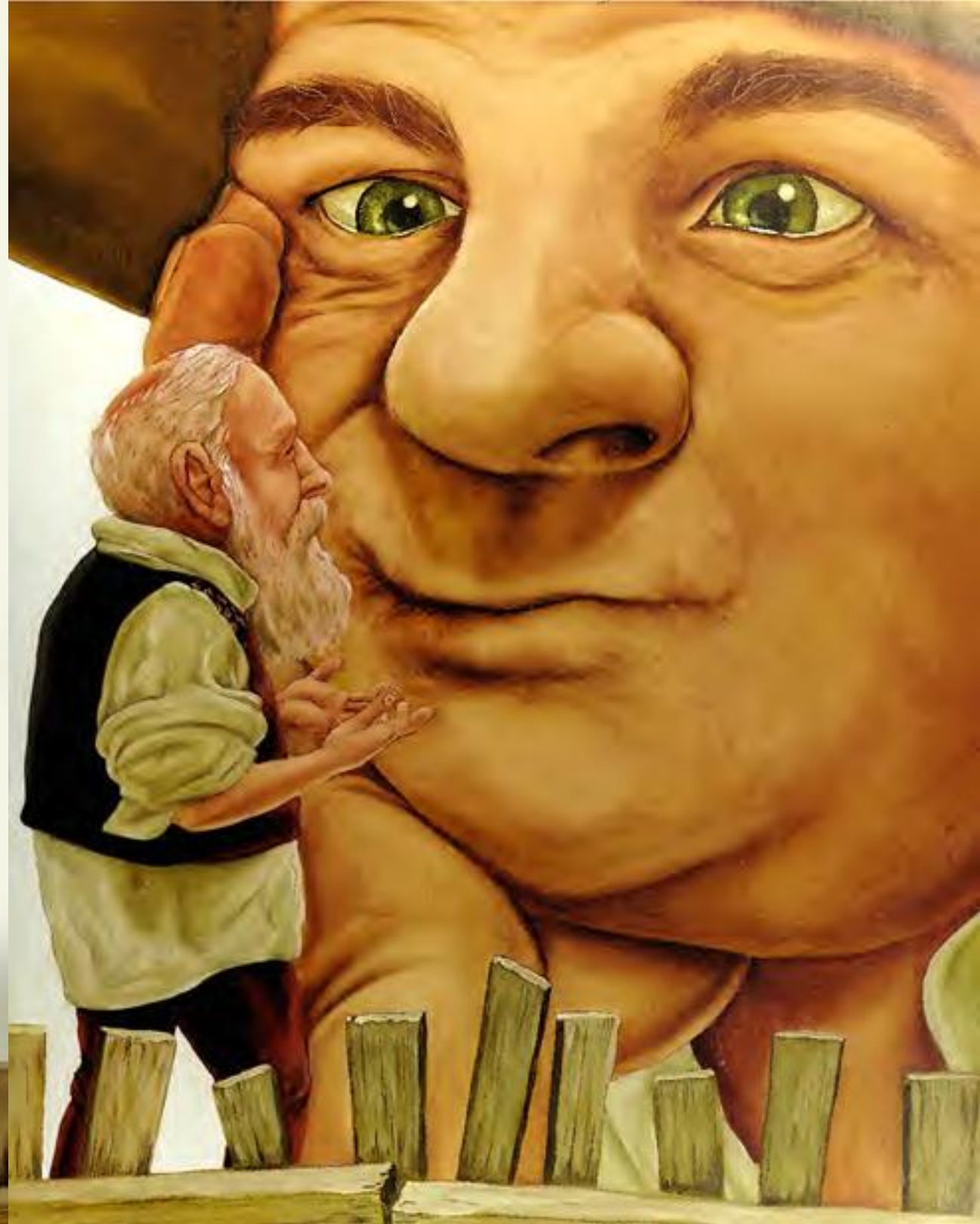

दो क़दमों में ही फिन, बॉयन नदी पहुँच गया. उसने अपनी मछली पकड़ने की बंसी पानी में डाली. ठंडे पानी में अलग-अलग रंग की मछलियां थीं, भूरी, रुपहली, तांबे के सिक्के के रंग की मछलियां, लेकिन वहां सूर्यास्त के समय आकाश जैसी लाल मछली नहीं थी.

और फिर फिन ने महान लाल सैलमन को, आलसी रूप से तैरते हुए देखा. अरे, फिन ने सोचा, मुझे ऐसा लगता है जैसे वो किसी चीज़ को तलाश रही हो. सैलमन मछली चारों ओर घूमी और फिर उसने फिन के हुक में लगे चुग्गे पर मुंह मारा. फिन ने मछली को बोयेन नदी के बाहर खींचा. मछली कुछ बड़बड़ा रही थी और फिन को ऐसा लगा जैसे नदी अपनी बुद्धिमान मछली को जाने नहीं देना चाहती थी.

"मैं मछली लेने के लिए माफी चाहता हूँ, लेकिन मैं ज्ञान खोज रहा हूँ." फिन ने नदी से कहा. "देखो, मछली की तुलना में एक आदमी, ज्ञान का अधिक उपयोग कर सकता है, इसलिए मैं आपसे क्षमा मांगता हूं." उसने मछली को अपने बड़े हाथों में उठाया और वो उसकी सुंदरता को निहारने लगा. मछली का एक-एक शल्क सूरज की रोशनी में चमक रहा था.

फिन ने मछली की आंखों में घूरा और वहां उसे बुद्धि का सागर, दुनिया का समस्त ज्ञान दिखाई दिया. उसे मछली में जीवन दिखाई दिया. वो भला उसे कैसे मार सकता था? वो उसे कैसे खा सकता था? उस विचार मात्र ने ही फिन को झकझोर कर रख दिया. उसने मछली से कहा, "तुम्हारे पास ज्ञान है जो मैं चाहता हूं, लेकिन तुम्हें बलिदान करके मुझे वो ज्ञान और विवेक नहीं चाहिए."

सैलमन के मुंह में जहां हुक अटका था वहां उसके होंठ से खून बह रहा था. "मुझे इस बारे में खेद है," फिन ने कहा, और उसने बड़े ध्यान से मछली के मुंह से चमकते हुए हुक को निकाल दिया. पर वो हुक फिन के खुदके अंगूठे में घुस गया और उसे अथाह दर्द हुआ. दर्द कम करने के लिए फिन ने अंगूठे को अपने मुंह में रखकर चूसा. उसने अपना खून चखा और सैलमन का भी खून चूसा! फिर फिन को अपने शरीर में एक ज्वार उठता हुआ महसूस हुआ, जैसे कोई अनजान चीज़ उसके शरीर में प्रवेश कर रही हो, कोई अजीब और सुंदर चीज़.

मछली बोली. "मैं जीवनदान के लिए आपको धन्यवाद देती हूं. मैं अपनी जान देने को तैयार थी. लेकिन अब मेरी बुद्धि और विवेक मेरे खून के साथ आपमें समा गया है. मुझे यह पता है कि आप इस ज्ञान का उपयोग दूसरों की सेवा में और आयरलैंड के हित में करेंगे."

फिन ने मछली को घूरकर देखा. उसने पहले कभी किसी मछली को बोलते हुए नहीं सुना था. "लेकिन आप मेरी पकड़ में क्यों आईं? आप इतनी समझदार हैं कि आप चाहतीं तो हुक से बच सकती थीं?"

"मुझे पता था कि यह किसका हुक था. मैं आपके आने का इंतजार कर रही थी."

"धन्यवाद." फिन ने कहा. "मैं इस उपहार का अच्छा उपयोग करूंगा."

धीरे से फिन ने सैलमन को वापस नदी
में छोड़ दिया और उसे दूर तैरते हुए देखा.
क्या अब लाल रंग कुछ हल्का हो गया था?

उसने अपने अंगूठे को देखा. जहां हुक चुभा था, वो चोट अब ठीक हो गई थी, और उसका अंगूठा गुलाबी रंग का हो गया था.

फिन ने ज्ञानी सैलमन के साथ अपनी मुठभेड़ के बारे में किसी को नहीं बताया, लेकिन उसे उस बूढ़े आदमी को, वो बात बताने की आवश्यकता महसूस हुई. जब वो बूढ़े आदमी के घर पहुंचा तो उसने उसे खाली पाया. बूढ़ा कहीं चला गया था. ठेला भर कर जलाऊ लकड़ी वैसी ही पड़ी थी. रसोई की मेज पर डबलरोटी पड़ी थी. मुर्गी के दबड़े में से किसी ने अंडे नहीं निकाले थे.

लेकिन रास्ते में एक शानदार पगडंडी थी जिस पर मछली के शल्क बिखरे थे, और हर शल्क आग की तरह चमक रहा था.

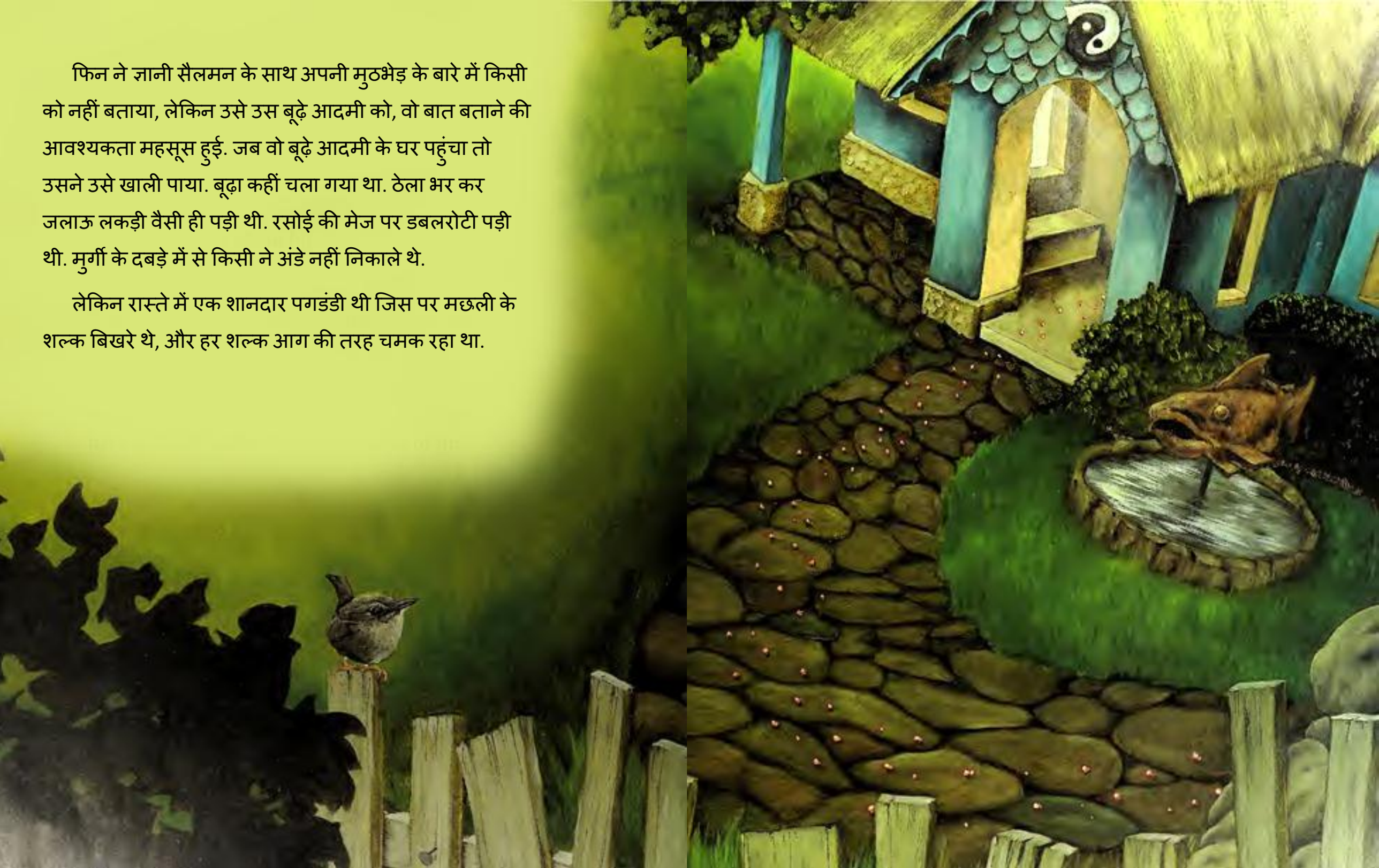

उसके बाद से गाँव के लोगों ने इस बात पर टिप्पणी की, कि फिन कितना बुद्धिमान बन गया था. फिन ने इंग्लैंड के राजा और फ्रांस के राजा के साथ बात करके उन्हें आयरलैंड की जरूरतों और इच्छाओं से अवगत कराया.

उसने अपने लोगों को वाइकिंग जहाज़ों से बचाया था जो आयरिश भूमि हड़पने के लिए समुद्र पार करके आए थे. वो अपने लोगों की समस्याओं को जानता था और लोगों का उनपर ध्यान जाने से पहले ही उन्हें ठीक कर देता था.

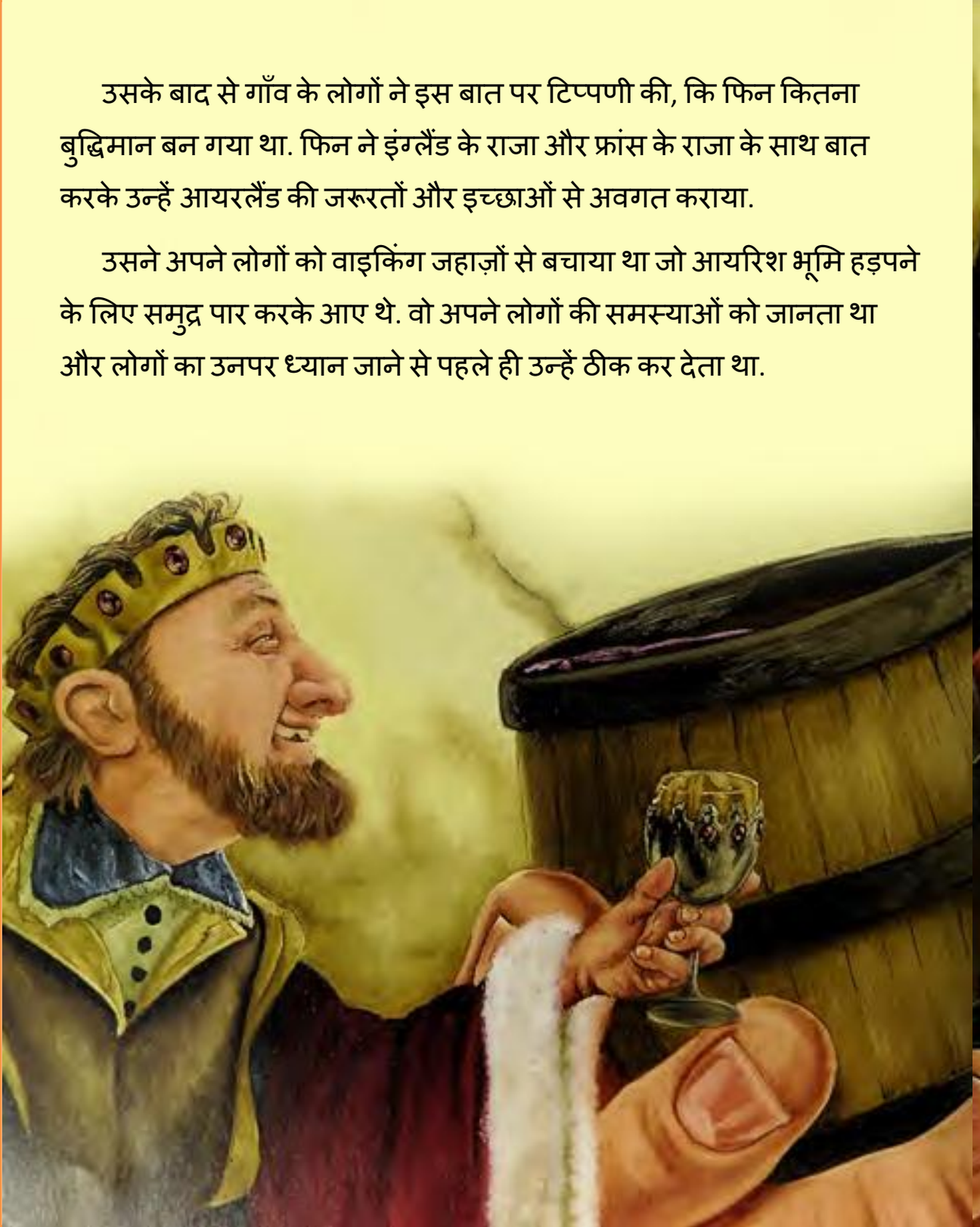

"लेकिन फिर भी, वो पहले जैसा ही अच्छा फिन था," सभी लोग इस बात से सहमत थे.

"क्या यह एक पहेली नहीं है, कि जब वो अपने दिमाग से कुछ सोचता है तो वो अपना अंगूठा चूसता है? आप सोचेंगे कि शायद उसमें कुछ जादू हो."

और शायद आपका सोच ठीक भी हो.

समाप्त